हिन्दी विभाग

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, रोनो हिल्स,

दोइमुख, ईटानगर

सत्र पद्धति

प्रयोजन मूलक हिन्दी

स्नातकोत्तर डिप्लोमा का पाठ्यक्रम

शिक्षा-वर्ष 2015-16 से प्रभावी

हिन्दी विभाग
राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, रोनो हिल्स
ईटानगर
सत्र पद्धति
प्रयोजन मूलक हिन्दी
स्नातकोत्तर डिप्लोमा का पाठ्यक्रम
शिक्षा-वर्ष 2015-2016 से प्रभावी

<u>प्रथम सत्र</u>

पत्र संकेत संख्या	पत्र का नाम	अंक	क्रेडिट
PGDFH-421	हिंदी भाषाः संवैधानिक स्थिति, दक्षता एवं व्यवहार	100	4
PGDFH-422	कार्यालयी हिंदी, हिन्दी पत्रकारिता एवं प्रेस विधि	100	4
PGDFH-423	दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन	100	4
PGDFH-424	हिन्दी कंप्यूटिंग	100	4

<u>द्वितीय सत्र</u>

PGDFH-425	अनुवाद विज्ञानः सिद्धान्त एवं प्रविधि	100	4
PGDFH-426	प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं विज्ञापन व्यवसाय	100	4
PGDFH-427	परियोजना कार्य	100	4
PGDFH-428	प्रायोगिक कार्य	100	4

यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का है और इसके लिये दो सत्र निर्धारित हैं, विद्यार्थियों को चार पत्र प्रथम सत्र में तथा चार द्वितीय सत्र में पढ़ने होंगे। सभी पत्र अनिवार्य (Core Paper) है आवश्यक निर्देश पत्रों के भीतर ही दे दिये गये हैं। पत्र संकेत संख्या (Paper Code) में PGDFH का अर्थ Graduate Diploma in Functional Hindi है और संख्याएँ 421,422 आदि पत्र संख्या यथा- प्रथम पत्र, द्वितीय पत्र आदि की सूचक है।

PGDFH- 421

हिंदी भाषाः संवैधानिक स्थिति, दक्षता एवं व्यवहार

इकाई- 1 राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा और मानक भाषा के रूप में हिन्दी।

भारत के संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधान- अनुच्छेद 343 से 351 तक, राष्ट्रपति के आदेश-1952, 1955,1960, राजभाषा अधिनियम 1963, यथा संशोधित 1967, राजभाषा संकल्प 1968– यथानुमोदित 1991, राजभाषा नियम 1976, यथा संशोधित 1987।

व्याख्यान-12

इकाई- 2 **हिन्दी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न संस्थाओं की भूमिका**- केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, नागरी लिपि परिषद्, राजभाषा विभाग, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, नागरी प्रचारिणी सभा, हिंदी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद, हिन्दुस्तानी एकेदमी, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति।

व्याख्यान-12

इकाई- 3 **देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा-** देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि के गुण-दोष और सुधार हेतु किए गए प्रयत्न, स्वर- व्यंजन, अन्तराष्ट्रीय अंक, विराम चिह्न।

व्याख्यान-12

इकाई- 4 **हिन्दी की व्याकरणिक व्यवस्था-** उपसर्ग और प्रत्यय; हिन्दी की कारकीय व्यवस्था; विभक्ति और परसर्ग; लिंग, वचन, पुरुष और काल सम्बन्धी नियम तथा इनके कारण उत्पन्न होने वाले भाषिक दोष एवं उनका समाधान; वाक्य-रचना में होने वाली अशुद्धियों के कारण एवं निवारण।

व्याख्यान-12

अंक विभाजनः

पूर्णांक-100

अभ्यन्तर-20अंक

बाह्य- 80 अंक

निर्देश 1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15X4= 60

2. प्रत्येक इकाई से दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 5X4=20

सहायक ग्रन्थः-

1. नागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी - अनंत चौधरी, बिहारी हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना।
2. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ - नरेश मिश्र, मंथन प्रकाशन, रोहतक।
3. हिंदी भाषा और नागरी लिपि - डॉ. भोलानाथ तिवारी, लोक भारती, इलाहाबाद।
4. राजभाषा हिन्दीः समस्याएँ और समाधान - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोक भारती, इलाहाबाद।
5. अच्छी हिन्दी - आचार्य रामचन्द्र वर्मा, लोक भारती, इलाहाबाद।
6. शुद्ध हिन्दी - डॉ. हरदेव बाहरी, लोक भारती, इलाहाबाद।
7. प्रयोजन मूलक हिन्दीः सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. राजभाषा के आन्दोलन में हिन्दी आंदोलन का इतिहास - राजनारायण दुबे, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
9. राजभाषा हिन्दी - गोविन्द दास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
10. राष्ट्रभाषा की समस्या - रामविलास शर्मा, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।
11. हिन्दी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

****

PGDFH- 422

हिंदी पत्रकारिता एवं प्रेस विधि

इकाई- 1 **<u>कार्यालयी हिंदी</u>**

प्रयोजनमूलक हिन्दीः अर्थ एवं क्षेत्र; केन्द्रीय सरकारी कार्यालय की व्याख्या, सरकारी कार्यप्रणाली, सचिवालय की कार्य-पद्धति, कार्यालयी टिप्पणी और मसौदा लेखन, पत्राचार और सरकारी पत्राचार के प्रकार, संक्षेपण, प्रतिवेदन।

व्याख्यान- 12

इकाई- 2 **पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार**

भारत में पत्रकारिता का आरंभ। हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास। सम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत- शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार की प्रस्तुति प्रक्रिया। समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना। संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति। समाचार के विभिन्न श्रोत।

व्याख्यान- 12

इकाई- 3 **पत्रकारिता से संबंधित लेखन**

संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन-फालोअप आदि के लेखन की प्रविधि। भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार, वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा प्रेस, प्रसार भारती विधेयक।

व्याख्यान- 12

इकाई- 4 **प्रेस विधि**

प्रथम और द्वितीय प्रेस आयोगः स्थापना के उद्देश्य, संस्तुतियाँ एवं कार्यवाही।

भारतीय प्रेस परिषदः संरचना, अधिनियम, भूमिका तथा महत्व। मानहानि के प्रावधान, न्यायालय की अवमानना, संसदीय विशेषाधिकार, प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867, शासकीय गुप्तवात अधिनियम 1923, प्रतिलिप्याधिकार अधिनियम 1957, श्रमजीवी पत्रकार और अन्य समाचार पत्र कर्मचारियों की स्थिति तथा सेवा से संबंधित कानून और आचार संहिता।

व्याख्यान- 12

अंक विभाजन

पूर्णांक-100

अभ्यन्तर- 20 अंक

बाह्य- 80 अंक

निर्देश 1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15x4= 60

2. प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 5x4= 20

सहायक ग्रंथः-

1. राष्ट्रभाषा और हिन्दी - राजेन्द्र मोहन भटनागर, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
2. भाषा आन्दोलन - सेठ गोविन्ददास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
3. सरकारी कार्यालय में हिन्दी का प्रयोग - गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
5. प्रयोजन मूलक हिन्दीः सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. प्रालेखन प्रारूप - शिवनारायण चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
7. आधुनिक पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
8. संवाददाता, सत्ता और महत्ता - हेरम्ब मिश्र, किताब महल, इलाहाबाद।
9. समाचार सम्पादन और पृष्ठ सज्जा - रमेश कुमार जैन, यूनिवर्शल जयपुर।
10. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, शब्द प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. प्रेस विधि - नन्द किशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

****

PGDFH- 423

दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन

इकाई- 1 माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार; हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास; रेडियो नाटक की प्रविधि; रंग नाटक, पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक का अन्तर।

व्याख्यान - 12

इकाई- 2 रेडियो नाटक के प्रमुख भेद- रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक- डाक्युमेंट्री फीचर, टी.वी. नाटक की तकनीक। टेलीड्रामा, टेलीफिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य-वैषम्य, पटकथा लेखन।

व्याख्यान- 12

इकाई- 3 साहित्यिक विधाओं की दृश्य-श्रव्य रूपांतरण कला- कहानी, उपन्यास, नाटक तथा कविता के विशेष सन्दर्भ में। इलेक्ट्रानिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन- संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि।

व्याख्यान- 12

इकाई- 4 विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि एवं भाषा; संचार माध्यमों की भाषा; सोशल मीडियाः स्वरूप और प्रभाव; हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी सम्बन्धी चुनौतियाँ।

व्याख्यान- 12

अंक विभाजन

पूर्णांक-100

अभ्यन्तर- 100

बाह्य- 80

निर्देशः-

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा।

15x4= 60

2. प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा।

5x4= 20

सहायक ग्रंथ: -

1. सम्पादन के सिद्धांत - रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
2. टेलीविजनः सिद्धान्त और टेकनीक - मथुरादत्त शर्मा
3. रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर
4. प्रेस विधि - नन्द किशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. रेडियो नाटक - सिद्धनाथ कुमार
6. टेलीविजन - के. के. बाली
7. मीडिया लेखन और सम्पादन - शैलेन्द्र सेंगर; आविष्कार प्रकाशन, दिल्ली
8. संचार माध्यमः तकनीक और लेखन - डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ, श्याम प्रकाशन जयपुर।

****

PGDFH- 424

हिन्दी कंप्यूटिंग

1. कंप्यूटरः परिचय, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय

इंटरनेटः संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवं इंटरनेट समय, मितव्ययिता के सूत्र, कम्प्यूटर सुरक्षा और वायरस।

2. वेब पब्लिशिंग, एम. एस. वर्ड, एक्सल, पेजमेकर, पॉवर प्वाइंट

इंटर एक्सप्लोइट अथवा नेट स्केप

3. लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना/ प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर, पैकेज।

व्याख्यान- 48

4. सोशल मीडियाः अर्थ एवं स्वरुप; फेसबुक, टयूटर, ब्लॉगिंग आदि का परिचय एवं प्रयोग करने की विधि। इण्टरनेट से सूचनाएँ प्राप्त करने की विधि।

अंक विभाजन

पूर्णांक - 100

अभ्यंतर-20 अंक

बाह्य- 80 अंक

निर्देशः

1. परीक्षार्थी को हिन्दी और अंग्रेजी के 10-10 पृष्ठ टाइप हेतु, दिये जायेंगे। उसे शुद्ध टाइप कर परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। 40 अंक
2. कम्प्यूटर से संबंधित व्यवहारिक ज्ञान की परीक्षा आंतरिक / बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी।

40 अंक

PGDFH- 425

अनुवाद विज्ञान

इकाई 1

अनुवादः अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र; अनुवादक के गुण; अच्छे और बुरे अनुवाद में अन्तर; अनुवाद के सिद्धान्त। अनुवाद की इकाईः शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।

व्याख्यान- 12

इकाई 2

अनुवाद के प्रकार, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद, अनुवाद की सीमाएँ।

व्याख्यान- 12

इकाई 3

अनुवाद की समस्याएँ: सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, विधि साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।

व्याख्यान- 12

इकाई 4

अनुवाद के उपकरण- कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर, मशीनी अनुवाद, अनुसृजन और अनुवाद। व्यावहारिक अनुवाद- प्रश्नपत्र में दिए गए अंग्रेजी / हिन्दी अवतरण का अनुवाद-

व्याख्यान- 12

अंक विभाजन

पूर्णांक- 100

अभ्यन्तर- 20

बाह्य- 80

निर्देश

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा।

15X4= 60 अंक

2. प्रत्येक इकाई से दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा।

5X4= 20अंक

सहायक ग्रंथ

1. अनुवादः सिद्धान्त एवं प्रयोग - डॉ. जी. गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा - डॉ. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

3. अनुवाद विज्ञानः - भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।

4. अनुवाद कला - डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

5. अनुवाद कला : सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

6. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ - डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।

7. कार्यालयी अनुवाद की समस्या - डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।

8. अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएँ - डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।

9. अनुवाद चिंतन के सैद्धांतिक आयाम - सं.- डॉ. गार्गी गुप्त एवं डॉ. ओम प्रकाश सिंहल, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली।

10. पश्चिम में अनुवाद कला के मूल स्रोत - डॉ. गार्गी गुप्त एवं डॉ. विश्वप्रकाश गुप्त, भारतीय अनुवाद परिषद दिल्ली।

11. अनुवाद विज्ञान भूमिका - कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल, दिल्ली।

12. अनुवाद चिन्तन - डॉ. शफ़ीकुन्निसा खान, डॉ. छविल कुमार मेहेर, अमन प्रकाशन, सागर।

****

PGDFH- 426

प्रयोजन मूलक हिन्दी एवं विज्ञापन व्यवसाय

इकाई 1

विज्ञापनः अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, उपयोगिता एवं महत्व

विज्ञापनः कार्य तथा प्रकार। भारत में विज्ञापन व्यवसायः भारतीय परिवेश में विज्ञापन, विज्ञापन का सामाजिक संदर्भ, व्यवसायिक क्षेत्र में विज्ञापन, विज्ञापन के प्रमुख अंग तथा सिद्धान्त।

व्याख्यान-12

इकाई 2

विज्ञापन माध्यमों के प्रमुख भेदः श्रव्य माध्यम- आकाशवाणी विज्ञापन; प्रिन्ट माध्यम- दैनिक समाचार पत्र, सावधिक पत्र-पत्रिकाएँ तथा डाक विज्ञापन। दृश्य-श्रव्य माध्यम- दूरदर्शन, फिल्म स्लाइड एवं विडियो स्ट्रिप्स। बाह्य विज्ञापन- यातायात साधन परक, प्रदर्शनी, खिड़की- विज्ञापन, प्रकाशन, उपहार विज्ञापन आदि। व्याख्यान-12

इकाई 3

विज्ञापन समितियाँ: संगठन एवं कार्यप्रणाली, विज्ञापन एवं दृश्य-प्रचार निदेशालय की भूमिका; विज्ञापनः कानून एवं आचार संहिता। व्याख्यान-12

इकाई 4

विज्ञापन की लेखन-कला, विज्ञापन की भाषा, रूप, शैली और विशेषताएँ।

विज्ञापन का संरचना रूपः वाक्यों की प्रकृति और स्वभाव के आधार परः शीर्ष वाक्य, वर्णनात्मक वाक्य, अधोवाक्य, साधारण वाक्य, मिश्र वाक्य, संयुक्त वाक्य, उपवाक्य, विशेषणपरक वाक्य, क्रिया-विशेषण परक उपवाक्य, क्रियाविहीन वाक्य-संरचना, पदबन्ध परक संरचना, विज्ञापन भाषा की काव्यात्मकता।

व्याख्यान-12

अंक विभाजन

पूर्णांक- 100

अभ्यन्तर- 20 अंक

बाह्य- 80 अंक

निर्देश 1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15x4= 6

2. प्रत्येक इकाई से दो-दो लघु-उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 5x4=20

सहायक ग्रंथ

1. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी - डॉ. हरिमोहन
2. जनमाध्यमः संप्रेषण और विकास - देवेन्द्र इस्सर
3. भारत मीडिया 2000 - प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
4. Advertising theory and practice - Sending FriBeerger, Raj Jaal
5. Advertising - James S. Motice
6. ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी

****

PGDFH- 427

परियोजना कार्य

- 40 पृष्ठ की सामग्री का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद- अनुवाद के लिए सामग्री का चयन विभागाध्यक्ष करेंगे।

अथवा

- 50 पृष्ठ का प्रयोजन मूलक हिन्दी विषयक लघु शोध प्रबंध। लघु शोध प्रबंध के लिए विषय का चयन प्रयोजन मूलक हिन्दी के क्षेत्र से किया जाएगा।
- विभागाध्यक्ष की अनुमति से विद्यार्थी विभाग के किसी भी अध्यापक के निर्देशन में अपना शोध प्रबंध तैयार कर सकता है।
- लघुशोध प्रबंध लिखने की अनुमति उन्हीं विद्यार्थियों को दी जाएगी जिन्होंने प्रथम सत्र में कम से कम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त किया हो।
- लघुशोध प्रबंध तीन प्रतियों में जमा करना होगा। इसका मूल्यांकन कम से कम एक बाह्य परीक्षक करेगा।

अंक विभाजन

पूर्णांक -100

अभ्यांतर- 20

बाह्य- 80

PGDFH- 428

प्रयोगिक कार्य

इकाई 1 रेडियो और टेलीविजन के लिए कार्यक्रम तैयार करने की विधियाँ
-इस हेतु रेडियो एवं दूरदर्शन केन्द्र पर ले जाकर अभ्यास करवाना अपेक्षित है। व्याख्यान-12

इकाई 2 समाचार-पत्र संपादन के व्यावहारिक अभ्यास-संपादन के अभ्यास हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

व्याख्यान- 12

इकाई 3 छाया चित्र, फोटोग्राफी और चित्र पत्रकारिता : सिद्धांत और व्यवहार; चित्र संपादन, फीचर प्रदर्शनी और प्रदर्शन विधियाँ। विद्यार्थियों से इसका व्यवहारिक अभ्यास अपेक्षित है। व्याख्यान- 12

इकाई 4 साक्षात्कार और प्रश्नावलियों के माध्यम से एकत्रित जानकारियों के विश्लेषण के तरीके- विद्यार्थी प्रश्नावली बनाने का अभ्यास करेंगे और उपलब्ध जानकारियों के आधार पर विषय का विश्लेषण प्रस्तुत करेंगे।

व्याख्यान- 12

अंक विभाजन
पूर्णांक- 100
अभ्यन्तर- 20 अंक
बाह्य- 80 अंक

निर्देशः-

1. सभी इकाइयों में प्रायोगिक परीक्षा ली जाएगी। इस परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक को भी बुलवाया जा सकता है।
2. प्रत्येक इकाई 20 अंक की है।